नवीन व्याकरण

भाग १

[ऐंग्लो हिन्दुस्तानी स्कूलों की ५ और ६ कक्षाओं के लिये]

लेखक—

प्रा० सद्गुरुशरण अवस्थी, एम० ए०,
विश्वम्भरनाथ सनातनधर्म कालेज, कानपुर,

और

पं० गोविंदप्रसाद द्विवेदी, बी० ए०, एल० टी०,
विश्वम्भरनाथ सनातनधर्म कालेज, कानपुर।

प्रकाशक—
स्टैंडर्ड पब्लिशिंग हाउस
इलाहाबाद।

और एजेंट—
एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस, बनारस।

सातवां संस्करण] १९४८ [मू० ॥)

प्राक्कथन

नवीन व्याकरण यू० पी० के शिक्षा-विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य-क्रम के अनुसार लिखा गया है। इसका प्रत्येक विषय बालकों की मनोवैज्ञानिक अवस्था के आधार पर है और विवेचना की भाषा विद्यार्थियों की योग्यता के अनुसार सरल एवं सुबोध रखी गई है। रचना में वर्तमान शिक्षण-प्रणाली का सर्वथा अनुसरण किया गया है और विद्यार्थियों की अभिरुचि पर ध्यान देते हुए व्याकरण को सरल बनाया गया है।

इस पुस्तक के दो विभाग हैं—प्रथम भाग एँग्लो हिन्दुस्तानी स्कूलों की पाँचवीं तथा छठी कक्षाओं के लिए है और द्वितीय भाग सातवीं तथा आठवीं कक्षाओं के लिए है।

सम्पूर्ण पुस्तक में ज्ञात से अज्ञात विषय की ओर प्रवृत्ति कराई गई है और सुगमता से कठिनता की ओर बालकों को अग्रसर किया गया है। इसकी विशेषता यह है कि व्याकरण-शिक्षा के उद्देश्य की साधना के लिए इसमें आवश्यक आगमन और निगमन प्रणालियों का पूर्णतया अनुशीलन किया गया है।

विचारपूर्वक देखने पर पता चलेगा कि वे व्याकरण की स्वीकृत पाठ्य-पुस्तकें, जिनके लिए नवीन शिक्षण-शैली से लिखी जाने का दावा किया गया है, नूतन पाठन प्रणाली का समर्थन अवश्य करती हैं, परन्तु केवल भूमिका में, या कुछ प्रारम्भिक अध्यायों में, आगमन प्रणाली का लोप करके केवल निगमन में, या विश्लेषण प्रणाली न देकर

विषय-सूची

विषय-सूची

अभ्यास

१— वाक्य की परिभाषा बताओ।

२—नीचे के शब्द-समूहों में से कौन-कौन वाक्य हैं —

(१) [illegible]

[illegible]

३—[illegible] वाक्य बनाओ।

४—दस वाक्य बनाओ जिनमें [illegible] पुस्तक, [illegible], पक्षी और [illegible] के बारे में कुछ बात [illegible]।

अध्याय २

वाक्य के विभाग

(१) घोड़ा दौड़ता है।

(२) लड़का रामायण पढ़ता है।

(३) मोहन ने अपनी पुस्तक खो दी।

(४) राम का भाई कल हरिद्वार चला जायगा

ऊपर के चारों वाक्यों पर विचार करो।

पहले वाक्य में किसके विषय में कुछ कहा गया है?... ... . घोड़े के विषय में

क्या कहा गया है?... यह कि 'दौड़ता है'

दूसरे वाक्य में किसके बारे में कुछ कहा गया है?

... . लड़के के बारे में

क्या कहा गया है? . यह कि रामायण पढ़ता है'

तीसरे वाक्य में किसके बारे में कहा गया है ?

... ...मोहन के बारे में।

क्या कहा गया है ? ... यह कि 'अपनी पुस्तक को दी'।

चौथे वाक्य में किसके बारे में कोई बात बतलाई गई है ? ... ...राम के भाई के बारे में।

क्या बतलाया गया है ? यह कि 'कल हरिद्वार चला जावेगा'।

यों हर एक वाक्य में दो विभाग हैं, एक वह भाग जिसके बारे में कुछ कहा गया है और दूसरा जो कुछ कहा गया है।

जिसके विषय में वाक्य में कुछ कहा जाता है उसे हम उद्देश्य कहते हैं।

और वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है विधेय कहलाता है।

ऊपर के उदाहरणों में घोड़ा, लड़का, मोहन ने और राम का भाई उद्देश्य हैं। दौड़ता है, रामायण पढ़ता है, अपनी पुस्तक को दी और कल हरिद्वार चला जावेगा विधेय हैं।

इससे यह सीखा कि—

वाक्य के दो विभाग होते हैं - (१) उद्देश्य और (२) विधेय।

उद्देश्य — वाक्य का वह विभाग है जिसके विषय में कुछ कहा जाता है।

विधेय — वाक्य का वह विभाग है जो उद्देश्य के विषय में कहा जाता है।

अभ्यास

... कौन विभाग होते हैं ...

२—नीचे लिखे वाक्यों को प्रश्नार्थक और निषेधसूचक बनाओ।

(अ) गंगा नदी हिमालय पर्वत से निकलती है। (ब) मैं

छोटी अवस्था में शहर से गया। (स) मनु

पढ़कर प्रसिद्ध होता है।

३—वर्णनात्मक वाक्य के चार उदाहरण दो।

४—वाक्यों के कितने भेद हैं? प्रत्येक का उदाहरण दो।

अध्याय ४

शब्दों के भेद

संज्ञा

पाठशाला जाते समय किन चीजों को साथ ले जाते हो?

पुस्तक, कलम, पेन्सिल, रबर, चाकू आदि।

पुस्तक, कलम, पेन्सिल, रबर, चाकू आदि शब्द किन नाम हैं?

उन चीजों के नाम हैं जिन्हें हम पाठशाला ले जाते हैं।

पाठशाला के कमरे में कौन कौन चीजें हैं?

मेज, कुर्सी, दावात, डेस्क, स्टूल, तख्ता आदि।

मेज, कुर्सी, दावात, डेस्क, स्टूल, तख्ता आदि र किसके नाम हैं?

उन चीजों के जो स्कूल के कमरे में हैं।

भोजन में किन पदार्थों की आवश्यकता होती है?

दूध, फल, शाक, रोटी, दाल, घी आदि।

दूध, फल, शाक, रोटी दाल, घी, आदि शब्द कि नाम हैं?

उन पदार्थों के नाम हैं जो खाये जाते हैं।

कुछ ऐसे स्थानों के नाम लो, जो देखे हों।

कानपुर, काशी विश्रामघाट, चौक, जनरलगंज आदि

कानपुर, काशी, विश्रामघाट, चौक, जनरलगंज नाम हैं?

स्थानों के नाम हैं।

कुछ जानवरों के नाम लो।

गाय, घोड़ा, गधा, कुत्ता, तोता आदि शब्द किसके नाम हैं?

जानवरों के नाम हैं।

कुछ आदमियों के नाम बताओ।

रामप्रसाद, गांधीचन्द्र, अवधबिहारी, श्यामसुन्दर, मोतीलाल आदि ये किनके नाम हैं? आदमियों के।

गाय, घोड़ा, गधा, कुत्ता और तोता आदि में कौन गुण पाये जाते हैं?

गाय में सिधाई, घोड़े में तेजी, गधे में मजबूती, कुत्ते में वफादारी और तोते में सुन्दरता।

सिधाई तेजी, मजबूती, वफादारी और सुन्दरता किनके नाम हैं?

गुणों के।

भीमसेन, युधिष्ठिर, हरिश्चन्द्र और लक्ष्मण किन गुणों के लिए प्रसिद्ध थे?

भीम वीरता के लिये, युधिष्ठिर धर्म के लिये, हरिश्चन्द्र सत्य के लिए, और लक्ष्मण क्रोध के लिए।

वीरता, धर्म, सत्य और क्रोध किनके नाम हैं?

गुणों के।

कुछ बीमारियों के नाम लो।

हैजा, बुखार, चेचक, प्लेग।

ये शब्द किनके नाम हैं?

बीमारियों के नाम हैं।

ऊपर के शब्दों पर ध्यान देने से पता चलता है कि ये सब शब्द क[illegible] चीज, स्थान, जीवधारी, मनुष्य, रोग या गुणों के नाम हैं

[illegible] संज्ञाएँ कहते हैं। इससे हमने यह सीखा कि [illegible] जो वह शब्द है जो किसी का नाम हो।

——किसी काम का करना या होना।

ऊपर के शब्दों में हम किसी काम का करना या होना (बत)ाते हैं। इन्हें क्रिया कहते हैं। इससे हमने सीखा कि क्रिया (व)ह शब्द है जो किसी काम का करना या होना बतलावे।

अभ्यास

१—क्रिया की परिभाषा बताओ।

२—नीचे के वाक्यों में क्रिया छाँटो :—

दशरथ अयोध्या के राजा थे। खेत में आलू खूब पैदा हुए। (ग)ोमती का पुल टूट गया। कल पानी बरसा था। मिठाई मँगवाओ (इ)स पेड़ में आम जल्द पकेंगे।

३—खाली स्थानों में क्रिया की पूर्ति करो :—

नेवले ने साँप को—। बहुत पानी गिरने से मकान की छत——। (स)बेरे ठंढी हवा——। जंगल में मोर——। अपने मित्र को चिट्ठी—।

अध्याय ६

शब्दों के भेद

सर्वनाम

१—गुरुजी ने राम को पुस्तक दी है, क्योंकि वह उससे बहुत प्रसन्न हैं।

२—मोहन ने श्याम से कहा कि मैं आज हरि को लेकर तुमसे मिलने आऊँगा, क्योंकि वह शीघ्र कलकत्ता चला जावेगा।

३—जो पुस्तक बाजार से आई थी वह खो गई, इसलिए (तुम) [illegible] खरीदेगा।

जैसा करेगा वैसा भरेगा।

(३) [illegible]

अध्याय ७

शब्दों के भेद

विशेषण

राम ने लाल टोपी खरीदी। (२) साफ कपड़े पहनो।
श्याम आलसी है। (४) हरि ने दस किताबें पढ़ीं।
लोटे में थोड़ा दूध है। (६) तुम बहादुर हो।

अब बतलाओ कि टोपी किस तरह की है ? —लाल।
कैसे कपड़े ? —साफ।
श्याम कैसा है ? —आलसी।

'लाल' शब्द टोपी के बारे में क्या विशेषता बतलाता है ?
यह कि लाल है; हरी, सफेद या पीली नहीं।
'साफ' शब्द कपड़ों के बारे क्या विशेषता बतलाता है ?
यह कि साफ हैं; गन्दे नहीं।
'आलसी' शब्द श्याम का कौन गुण बतलाता है ?
यह कि आलसी है।
प्रकार चौथे वाक्य में किताबों की कितनी संख्या है ?
दस।
' शब्द किताबों के विषय में क्या बतलाता है ?—संख्या।
वें वाक्य में 'थोड़ा' शब्द दूध के बारे में क्या बतलाता है ?
—'परिमाण'—थोड़ा, ज़्यादा नहीं।
विशेषता बतलानेवाले शब्दों के कारण प्रत्येक संज्ञा,

अध्याय ८

शब्दों के भेद

अव्यय

(क)

(१) लड़का किताब पढ़ता है। (२) लड़के किताबें पढ़ते हैं।
(३) आम मीठा है। (४) ये आम मीठे हैं।
(५) उसको चाकू दो। (६) उनको चाकू दो।

ऊपर के वाक्यों में संज्ञा, क्रिया, सर्वनाम और विशेषण शब्दों को ढूँढो।

पहले वाक्य में लड़का और किताब कैसे शब्द हैं?—संज्ञाएँ। दूसरे वाक्य में इन दोनों शब्दों के क्या रूप हैं—लड़के और किताबें।

तीसरे वाक्य में 'मीठा' कैसा शब्द है?—विशेषण।

चौथे वाक्य में इसका क्या रूप है?—मीठे।

पाँचवें वाक्य में 'उसको' कैसा शब्द है?—सर्वनाम।

छठे वाक्य में इसका क्या रूप हो गया है? उनको।

इसी प्रकार पहिले और तीसरे वाक्यों में कौन सी क्रिया है?—है।

इसका दूसरे और चौथे वाक्यों में क्या रूप है?—हैं। जिन शब्दों के रूप बदले वे कैसे शब्द हैं?
—संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम और क्रिया। इससे हमने यह जाना कि संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम और क्रियाओं के रूप बदलते रहते हैं।

(ख)

(१) यह लड़का तेज दौड़ता है। ये लड़कियाँ तेज दौड़ती हैं।

अध्याय ९

शब्दों के भेद

क्रिया-विशेषण

(१) मोहन जाता है।

यह एक वाक्य है। इसमें बात पूरी कही गई है। किन्तु क्या मोहन अथवा उसकी क्रिया के बारे में इस वाक्य से कुछ विशेष बात जान सकते हो? नहीं। क्योंकि इसमें ऐसे शब्द नहीं जो मोहन की, या उसके द्वारा किये जानेवाले व्यापार की विशेष बातें बतलावें। इसी वाक्य को अब हम यों लिखते हैं—

(२) मोहन जल्दी जाता है? (३) मोहन अभी जाता है।

(४) मोहन वहाँ जाता है।

दूसरे वाक्य में जाने का काम कैसे होता है?—जल्दी। जल्दी शब्द जाना क्रिया की क्या विशेषता बतलाता है?

—यह कि वह काम कैसे होता है।

तीसरे वाक्य में 'अभी' शब्द जाना क्रिया के बारे में क्या विशेष बात बतलाता है? यह कि वह किस समय हुआ—कब हुआ। चौथे वाक्य में जाना क्रिया के बारे में क्या विशेष बात बतलाई गयी है?

—यह कि वहाँ जाता है।

'वहाँ' शब्द से जाना क्रिया के बारे में क्या मालूम हुआ? यह कि किस स्थान पर अथवा कहाँ। क्रियाओं की विशेषता बतलानेवाले शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

अभ्यास

१—क्रिया-विशेषण की परिभाषा बताओ।

२—नीचे लिखे वाक्यों से क्रिया-विशेषण छाँटो और बतलाओ

[illegible] किन क्रियाओं

[illegible]

अध्याय १०

संज्ञा के भेद

[क]

१- पेड़ों पर चिड़ियाँ रहती हैं। २--नदी पहाड़ से निकलती ... ऊपर के वाक्यों में संज्ञाएँ देखो।

पेड़ शब्द किसी खास पेड़ का नाम है या पेड़ जाति में से किसी एक का ?—तमाम जाति में से हर एक का।

कुछ पेड़ों के नाम लो।—आम, गूलर, महुआ, जामुन आदि।

आम, गूलर, महुआ, जामुन आदि के लिए एक आम नाम क्या देते हैं ?—पेड़।

इसी प्रकार चिड़िया शब्द किसी खास चिड़िया का नाम है या संसार की सभी चिड़ियों का ?

—संसार के सभी चिड़ियों का।

कुछ चिड़ियों के नाम लो।—तीतर, बटेर, कबूतर, तोता मैना आदि।

तीतर, बटेर, कबूतर, तोता, मैना आदि सभी को किस नाम से पुकारते हैं ?—चिड़िया शब्द से।

इसी तरह नदी शब्द गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा आदि सभी संसार की नदियों का वाचक है। और पहाड़ शब्द से दुनिया की तमाम पहाड़ जाति का बोध होता है। पेड़, चिड़िया, नदी तथा पहाड़ ऐसे शब्द हैं जो अपनी जाति के प्रत्येक के नाम हैं ? उन्हें हम जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जातिवाचक संज्ञा वह नाम है जो एक जाति की वस्तुओं पर लागू हो सके।

[ख]

गंगा हिमालय से निकलती है। २—गोपाल ने हरि को खूब पीटा।

ऊपर के उदाहरणों में देखो।

हिमालय से कौन नदी निकलती है ? —गंगा।

गंगा किसी खास नदी का नाम है या दुनिया की नदियों का ?—एक खास नदी का।

गंगा किस पर्वत से निकलती है ?—हिमालय से।

हिमालय किसी खास पर्वत का नाम है या दुनिया के सभी पर्वतों का ?—एक खास पर्वत का।

इसी प्रकार गोपाल और हरि दोनों खास आदमियों के नाम हैं। ऐसे नाम व्यक्तिवाचक हैं। तो हमने सीखा कि

व्यक्तिवाचक संज्ञा वह है जो किसी खास वस्तु या व्यक्ति का नाम हो।

[ग]

दूध में क्या गुण है ?—मिठास।
हरिश्चन्द्र में क्या गुण था ?—सच्चाई।
आग का क्या गुण है ?—गर्मी।
चोर का क्या धर्म है ?—चोरी।

अध्याय ११

संज्ञाओं का लिंग-भेद

१—राम के माता, पिता दशरथ और कौशल्या थे।

२—इस विद्यालय में लड़के और लड़कियाँ साथ पढ़ते हैं। इन्हें पढ़ाने के लिए योग्य अध्यापक और अध्यापिकाएँ हैं।

३ गोशाला में गाय, भैंस और बैल पले हैं।

४—ऊँट पर काठी धरो और घोड़ी को लगाम कसो।

५—इस गली में सेठों के मकान और हवेलियाँ हैं।

६—हवा चलते ही पेड़ों से चिड़ियाँ उड़ गई हैं।

७ श्याम की बाहन सुन्दरबाई एक समाचार पत्र की सम्पादिका है।

८—रेलगाड़ी या मोटरें उतनी तेज नहीं, जितनी हवाई जहाज।

ऊपर के उदाहरणों में ऐसी संज्ञाएँ छाँटो जिनसे पुरुष जाति के नामों का बोध हो।

राम, पिता, दशरथ, विद्यालय, लड़के, अध्यापक, बैल, ऊँट, सेठ, मकान, पेड़, श्याम, समाचारपत्र, जहाज।

राम, पिता, अध्यापक, बैल, पेड़ आदि नाम किस जाति के हैं ?—पुरुष जाति के।

ये ऐसे शब्द हैं जो बतलाते हैं कि ये जिनके नाम हैं वे नर हैं। ऐसी सभी संज्ञाएँ पुल्लिंग होती हैं।

अब इन्हीं उदाहरणों में से ऐसी संज्ञाएँ छाँटो जिनसे स्त्री जाति के नामों का बोध हो।

माता, कौशल्या, लड़कियाँ, अध्यापिकाएँ, गाय, भैंस, काठी, घोड़ी, लगाम, गली, हवेलियाँ, चिड़ियाँ, बाहन, सुन्दरबाई, सम्पादिका, रेलगाड़ी, मोटरें।

(ख)

अब नीचे लिखी संज्ञाओं के रूपों पर विचार करो :—

ग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
र	बँदरियाँ	बेटा	बिटिया
	कुतिया	बछवा	बछिया
ा	डिबिया	चूहा	चुहिया

इनमें से पुल्लिंग शब्दों के अन्त में कौन अक्षर हैं ?

—'अ' अथवा 'आ'

इसका स्त्रीलिंग में क्या रूप हो जाता है ?—'इया'।

यों कुछ अकारान्त और आकारान्त शब्दों का स्त्रीलिंग ा' लगा देने से बन जाता है।

(ग)

ङ्ग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बी	धोबिन	कहार	कहारिन
मार	चमारिन	कलवार	कलवारिन
ी	तेलिन	बढ़ई	बढ़इन

ऊपर पुल्लिंग शब्द कैसे पुरुषों के नाम हैं ?

—दूकानदार, व्यापारी, पेशेवाले, रोज़गारी।

इनका स्त्रीलिंग कैसे बना है ?—'इन' लगाकर।

इस तरह व्यापारियों के पुल्लिंग नामों में 'इन' लगाकर ीलिंग बनाया जाता है।

(घ)

कुछ ऐसे नाम लो जो पदवियाँ हों।

दुबे, पाँड़े, ठाकुर, लाला, पण्डित आदि।

इनकी स्त्रियों को क्या कहोगे ?

आँख	आँखें	टाँग	टाँगें
खाट	खाटें	झील	झीलें
तोप	तोपें	दवात	दवातें

ऊपर की संज्ञाएँ किस लिंग की हैं ?—स्त्रीलिंग की।

प्रत्येक शब्द के अन्त में कौन अक्षर है ? —'अ'।

बहुवचन में 'अ' का क्या बन जाता है ? —'एँ'।

यों स्त्रीलिंग के अकारान्त शब्दों का बहुवचन अन्त के अकार को 'एँ' में बदलकर बनता है।

(ख)

अब इन शब्दों के रूप पर ध्यान दो :—

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
माला	मालाएँ (यें)	माता	माताएँ (यें)
शाला	शालाएँ (यें)	लता	लताएँ (यें)
गीता	गीताएँ (यें)	बाला	बालाएँ (यें)

ऊपर की संज्ञाएँ किस लिंग की हैं ? —स्त्रीलिंग की।

इन शब्दों के अन्त में कौन अक्षर है ? —'आ'।

बहुवचन में 'आ' का क्या बन जाता है ?—एँ या (यें)।

इस तरह स्त्रीलिंग के आकारान्त शब्दों का बहुवचन अन्त के आ को (एँ या यें) में बदलने से बनता है।

(ग

अब इन शब्दों को देखो :—

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
चिड़िया	चिड़ियाँ	गुड़िया	गुड़ियाँ
डिबिया	डिबियाँ	चुटिया	चुटियाँ

लड़के' और 'कलमें' ऐसी संज्ञाएँ हैं जो एक से अ
लड़के और कलमें बतलाता है। इस प्रकार ये शब्द बहुवचन में

इस तरह वह संज्ञा जो एक ही वस्तु या व्यक्ति को
बतलावे एकवचन होती है, जैसे—पुस्तक, मेज, चिड़िया, ता

वह संज्ञा जो एक से अधिक वस्तुओं या व्यक्ति
बतलावे बहुवचन होती है, जैसे—पुस्तकें, मेजें, चि
नारंगियाँ।

तो वचन किसे कहते हैं? वह संज्ञा का रूप (जैसे ल
लड़के) जो बतलावे कि उसके द्वारा एक या एक से अ
वस्तुओं अथवा व्यक्तियों के नाम लिये गये हैं वचन कहलात

अभ्यास

१—वचन की परिभाषा बताओ।

२—नीचे लिखे वाक्यों में संज्ञा शब्दों के वचन बताओ :—
तारे निकले। चोर भागा। चोर पकड़े गये। स्त्रियाँ च
नगर के आदमी दुखी हैं। यह आदमी होशियार है। इस आ
ताया। मैंने आम खाये। चूहे दौड़ते हैं। तितलियाँ लड़ती हैं।

अध्याय १४

बहुवचन बनाने के नियम

अब हमें यह जानना चाहिये कि एकवचन की संज्ञा बहुवचन में कैसे बदली जाती है।

(क)

नीचे लिखी संज्ञाओं पर विचार करो :—

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
पुस्तक	पुस्तकें	रात	रातें
किताब	किताबें	बात	बातें

बहुवचन कैसे बनता है ? —'यां' लगाकर ।
लिंग के इकारान्त शब्दों का बहुवचन केवल यां लगा
। बनता है ।

(८)

नीचे के शब्दों पर विचार करो :—

एकवचन	बहुवचन
झाड़ू	झाड़ुएँ
बहू	बहुएँ

ये शब्द किस लिंग के हैं ? —स्त्रीलिंग के हैं ।
इनके अन्त में कौन अक्षर है ? —'ऊ'
बहुवचन में कैसे रूप बदलता है ?-दीर्घ ऊ को ह्रस्व बनाकर एँ जोड़ा गया है ।

यों स्त्रीलिंग दीर्घ ऊकारान्त शब्दों के बहुवचन ऊ को ह्रस्व कर एँ लगाने से बनते हैं

(९)

अब इन शब्दों को देखो :—

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मनुष्य (है)	मनुष्य (हैं)	बालक (था)	बालक (थे)
ऊँट	ऊँट	बन्दर	बन्दर
बाघ	बाघ	वृक्ष	वृक्ष

ये किस लिंग के शब्द हैं ? —पुल्लिंग के ।
इनके अन्त में कौन अक्षर है ? —अकार ।
बहुवचन में क्या रूप बदलता है ? —कोई नहीं ।

यों अकारान्त पुल्लिंग शब्दों के एकवचन और बहुवचन में समान रूप होते हैं ।

(अ)

फिर देखो :—

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
कुत्ता	कुत्ते	राजा	राजे
छाता	छाते	ताँगा	ताँगे
बच्चा	बच्चे	लड़का	लड़के

ये किस लिंग के शब्द हैं? पुल्लिंग के।

इनके अन्त में कौन अक्षर है? 'आ'

बहुवचन बनाने में क्या परिवर्तन होता है? 'आ' का

इस भाँति आकारान्त पुल्लिंग शब्दों का बहुवचन के 'आ' का 'ए' में बदलकर बनता है।

(इ)

कुछ शब्दों को और देखो :—

(१)			(३)
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
ऋषि	ऋषि	गुरु	गुरु
मुनि	मुनि	भानु	भानु
कवि	कवि	साधु	साधु
[२]			[४]
आदमी	आदमी	चाकू	चाकू
माली	माली	भालू	भालू
पातकी	पातकी	डाकू	डाकू

ये किस लिङ्ग के हैं? पुलिंग के।

इनके अन्त में कौन अक्षर हैं? (१) में इ (२) ई (३) उ (४) ऊ।

इनके बहुवचन में क्या परिवर्तन होते हैं? कोई नहीं

ii पुल्लिंग के ह्रस्व तथा दीर्घ ईकारान्त शब्दों के एक- और बहुवचन में समान रूप होते हैं। इसी प्रकार तथा दीर्घ उकारान्त शब्दों के भी दोनों वचनों में से रूप होते हैं।

अभ्यास

कुछ ऐसे शब्द बनाओ जो दोनों वचनों में एक से हों।
पुल्लिंग आकारान्त और स्त्रीलिंग ईकारान्त शब्दों के बहुवचन रते हैं? उदाहरण देकर बताओ।
नीचे दिये शब्दों के बहुवचन बनाओ—
घड़ी, नाली, ताली, शीशी, चिड़िया, खटिया, फल, किवाड़, उल्लू, कलम, माला, तिथि, बहू, ऊँट, लता, धोती, लड़का, बन्दर।

अध्याय १५

संज्ञाओं के कारक

(१) राम ने रावण को बाण से मारा।
(२) हरि के लिए बाजार से लड्डू लाओ।
(३) चिड़िया का घोंसला पेड़ पर है.
(४) अरे मोहन, यहाँ आ।
पहले वाक्य में क्रिया और संज्ञाएँ बताओ।
'राम' संज्ञा का 'मारा' क्रिया से क्या सम्बन्ध है?
—क्रिया का करनेवाला।
'रावण' संज्ञा का क्रिया से क्या सम्बन्ध।
—क्रिया का इस पर प्रभाव पड़ता है।

लौ संज्ञाएँ इस वाक्य में किन २ अवस्थाओं में हैं
—करनेवाली, प्रभावित होनेवाली और
होनेवाली अवस्थाओं में
शेष २, ३ और ४ वाक्यों में भी संज्ञाओं को छाँटो
उनकी अवस्थाओं को देखो।

संज्ञा की इन्हीं भिन्न-भिन्न अवस्थाओं को का
कहते हैं। क्रिया करनेवाला कर्त्ता कहलाता है।

रावण का क्रिया से क्या सम्बन्ध है? वह मारा गया है
—अर्थात् उस पर क्रिया का फल पड़ता है

क्रिया का फल भोगनेवाला शब्द कर्म कहा जाता है

उसी वाक्य में मारना क्रिया का साधन क्या है? बा
क्रिया का साधन बनानेवाला शब्द करण कहलाता

दूसरे वाक्य में बतलाओ कि क्रिया कौन है?—लाये
'लाने' का फल किस शब्द पर गिरता है?—लड्डू प
परन्तु ये लड्डू किसके लिए लाये गये?—हरि के लि
'लाना' क्रिया का व्यापार किस मतलब से था? हरि के लिए

जिसके हेतु या लिए क्रिया की जाती है उसे सम्प्रद
कारक कहते हैं

इसी वाक्य में लाना क्रिया करने से बाजार का ला
से क्या सम्बन्ध रह गया? छूट जाना, अलग होना।

यह जुदाई बतलानेवाली संज्ञा का रूप अपाद
कारक है।

क्योंकि इससे हमें पता चलता है कि क्रिया के फल स्व
एक वस्तु दूसरे से अलग हुई।

अब तीसरे वाक्य में देखो चिड़िया को घोंसले से क्या
सम्बन्ध है? मालिक है, कब्जा है, अधिकार है, लगाव है।

इस अधिकार या लगाव बतलानेवाली अवस्था को सम्बधकारक कहते हैं। यहाँ चिड़िया सम्बन्ध कारक की अवस्था में है और 'घोंसला' उसका संबंधी है।

उसी वाक्य में 'घोंसला' कहाँ है ? पेड़ पर।

'होना' क्रिया किस स्थान पर हुई ? पेड़ पर।

होना क्रिया का आधार क्या है ? 'पेड़'।

उस कारक को जो क्रिया का आधार होता है. अधिकरण कहते हैं।

चौथे वाक्य में 'आओ' क्रिया के लिए कौन पुकारा गया है ? मोहन।

'मोहन' संज्ञा का रूप किस हेतु है ? पुकारने के लिए।

पुकारने में प्रयुक्त होने के कारण संज्ञा का यह रूप सम्बोधन कहलाता है।

नोटः—शिक्षक ने बालक को पाठ पढ़ाया।

शिक्षक ने 'क्या' पढ़ाया ? 'पाठ'।

शिक्षक ने 'किसको' पढ़ाया ? 'बालक को'।

ये दोनों शब्द किस कारक में हैं ? कर्म कारक में।

जो कर्म 'क्या' के उत्तर में आता है उसे प्रधान कर्म और जो 'किसको' के उत्तर में आता है उसे गौण कर्म कहते हैं।

प्रधान कर्म प्रभावित होनेवाली 'वस्तु' होती है; परन्तु प्रभावित होनेवाला 'व्यक्ति' गौण कर्म होता है।

हमने सीखा कि संज्ञा का वह रूप जो उसकी क्रिया अथवा अन्य संज्ञाओं से सम्बन्ध बतलावे कारक कहलाता है। ये निम्नलिखित हैं :—

कर्त्ता—वह संज्ञा का रूप जो क्रिया का करनेवाला हो।

कर्म-संज्ञा का यह रूप जिस पर क्रिया का फ
करण–यह संज्ञा का रूप जो क्रिया का साधन है
सम्प्रदान–यह संज्ञा का रूप जिसके लिए क्रि
व्यापार ।
अपादान–संज्ञा का यह रूप जिससे क्रिया
जुदाई प्र
सम्बन्ध–यह संज्ञा का रूप जो दूसरी संज्ञा
या सम्बन्ध प्र
अधिकरण–यह संज्ञा का रूप जो क्रिया का आ
सम्बोधन–पुकारते समय जो संज्ञा का रूप हो ।

अभ्यास

१—कारक की परिभाषा बताओ ।

२—करण और अपादान कारकों में क्या अन्तर है? देकर बताओ ।

३—अधिकरण और सम्प्रदान के दो-दो उदाहरण दो ।

४—नीचे लिखे वाक्यों के कारक बताओ ।

(१) राम की टोपी कमरे में खूँटी पर है। (२) देखा कि आम पेड़ से टपककर डाल में अटक गया। (३) शान्ता पढ़ने के लिए आओ अपनी किताबें देख लो (४) मिट्टी के घड़े बनाये और उन्हें गेरू से रंग दिया। (५) भावी प्रबल दिखि कहेउ मुनिनाथ। (६) उसने राम द्वारा पत्र लिखा (प्रयत्न करो)।

— —

अध्याय १६

कारकों के चिन्ह

(१) गोपाल मुरली बजाता है। (२) गोपाल ने मुरली बजाई। ऊपर के वाक्यों में गोपाल का क्रिया से क्या सम्बन्ध है? कर्त्ता है। कर्त्ता बतलानेवाला कौन चिन्ह है?

दूसरे वाक्य में 'ने' किन्तु पहले में कोई चिन्ह नहीं है। इससे मालूम हुआ कि कर्त्ता का चिन्ह 'ने' है, लेकिन इस चिह्न के बिना भी कर्त्ता कारक बन जाता है।

(३) राम किताब पढ़ता है। (४) राम किताब को पढ़ता है। इन वाक्यों में किताब कौन कारक है? कर्म।

कैसे? क्योंकि पढ़ना क्रिया का फल किताब पर गिरता है। कर्म बतलानेवाला कौन चिह्न है? चौथे वाक्य में 'को' है, किन्तु तीसरे में कोई नहीं।

इससे मालूम हुआ कि कर्म का चिह्न 'को' है, किन्तु इस चिह्न के बिना भी कर्म कारक बन जाता है।

(५) मोहन लेखनी से लिखता है। (६) मोहन लेखनी द्वारा हाथ से लिखता है?

'लेखनी' कौन कारक है? करण।

यह कैसे? क्योंकि लिखना क्रिया का साधन है।

'हाथ' कौन कारक है? करण, क्योंकि उसके द्वारा काम होता है।

करण बतलानेवाला कौन चिह्न है? 'से' और 'द्वारा'।

इससे मालूम हुआ कि करण कारक का चिह्न 'से' 'द्वारा' है।

कारकों का रूप निर्माण-चक्र

[illegible]	ने, को, से, के लिए, से, का (की के), में (पर), इन्हें लगाकर बने हुए क्रमशः कर्त्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण और सम्बोधन कारक*		देखिए कर्त्ता और कर्म कारक बहुवचन जब 'ने' और 'को' का म सम्बोधन प्रयोग नहीं होता तब का रूप	
	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
[illegible]	मनुष्य ने, मनुष्य को, आदि	मनुष्यों ने, मनुष्यों को, आदि	मनुष्य मनुष्य	मनुष्यों
[illegible]	बहिन ने, बहिन को, ,,	बहिनों ने, बहिनों को, ,,	बहिन बहिन	बहिनें
[illegible]	लड़के ने, लड़के को, ,,	लड़कों ने, लड़कों को, ,,	लड़का लड़के	लड़कों

* सम्बोधन कारक के एकवचन के रूप इन मौलिक शब्दों की भांति बनते हैं। बहुवचन में अन्य कारकों [illegible] वचन [illegible] लगाकर बनते हैं।

पिता	आ	पुं०	पिता ने,	पिता को,	आदि	पिताओं ने,	पिताओं को,	आदि पिता	पिता	पिताओ
माता	आ	स्त्री०	माता ने,	माता को,	,,	माताओं ने,	माताओं को,	,, माता	मातायें	माताओ
बिटिया	या	स्त्री०	बिटिया ने,	बिटिया को,	,,	बिटियों ने,	बिटियों को,	,, बिटिया	बिटियाँ	बिटियो
ऋषि	इ	पुं०	ऋषि ने,	ऋषि को,	,,	ऋषियों ने,	ऋषियों को,	,, ऋषि	ऋषि	ऋषियो
रीति	इ	स्त्री०	रीति ने,	रीति को,	,,	रीतियों ने,	रीतियों को,	,, रीति	रीतियाँ	रीतियो
धनी	ई	पुं०	धनी ने,	धनी को,	,,	धनियों ने,	धनियों को,	,, धनी	धनी	धनियो
रानी	ई	स्त्री०	रानी ने,	रानी को,	,,	रानियों ने,	रानियों को,	,, रानी	रानियाँ	रानियो
साधु	उ	पुं०	साधु ने,	साधु को,	,,	साधुओं ने,	साधुओं को,	,, साधु	साधु	साधुओ
धेनु	उ	स्त्री०	धेनु ने,	धेनु को,	,,	धेनुओं ने,	धेनुओं को,	,, धेनु	धेनु	धेनुओ
बाबू	ऊ	पुं०	बाबू ने,	बाबू को,	,,	बाबुओं ने,	बाबुओं को,	,, बाबू	बाबू	बाबुओ
भालू	ऊ	पुं०	भालू ने,	भालू को,	,,	भालुओं ने,	भालुओं को,	,, भालू	भालू	भालुओ
चौबे	ए	पुं०	चौबे ने,	चौबों को,	,,	चौबों ने,	चौबों को,	,, चौबे	चौबे	चौबो

अध्याय १७

संज्ञाओं की पद-व्याख्या

(१) लल्लू अपने भाई को डण्डे से मारता है।

(२) अरे श्याम, गुरुजी के लिये दूकान से हवन की सामग्री ला।

पहली संज्ञा लो। लल्लू

यह किस प्रकार की है? व्यक्तिवाचक।

किस लिंग की है? पुल्लिंग की।

कौन वचन है? एक वचन है।

किस कारक में है? कर्त्ता कारक की अवस्था में।

किस क्रिया का कर्ता है? 'मारता है' क्रिया का कर्ता है।

इसी को अब हम अब यों लिख सकते हैं :—

लल्लू—संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक की अवस्था में, मारता है, क्रिया का कर्ता।

किसी भी शब्द की व्याख्या व्याकरण के अनुसार ऊपर दी हुई रीति से की जा सकती है, इसी को पद व्याख्या कहते हैं।

अन्य संज्ञाओं की पदव्याख्या नीचे दी जाती है :—

भाई को—संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन कर्मकारक की अवस्था में, मारता है, क्रिया का कर्म।

डण्डे से—संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग एकवचन करण कारक की अवस्था में, 'मारता है' क्रिया का साधन।

श्याम—संज्ञा व्यक्तिवाचक पुल्लिंग, एकवचन, सम्बोधन कारक।

गुरुजी के लिए—संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग बहुवचन (आदर के अर्थ में), सम्प्रदान कारक की अवस्था में 'ला' क्रिया के लिए।

मैं, तुम और वह पुरुषों के बदले में आये हैं।
इन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

ऊपर की बात का कहने वाला कौन है? रमेश।
रमेश के लिये कौन सर्वनाम आया है? मैं।

जिस सर्वनाम का प्रयोग कहनेवाले के लिये हो वह उत्तम पुरुष होता है।

बात किसको कही जाती है? माधव को।
माधव के लिये कौन सर्वनाम प्रयुक्त हुआ है? तुम।

यों जिस पुरुष से बात की जाती है उसके लिये प्रयुक्त होनेवाला सर्वनाम मध्यम पुरुष होता है।

ऊपर की बात किस मनुष्य के बारे में हुई है? राम के बारे में।
राम के लिये कौन सर्वनाम आया है? वह।

जिस पुरुष की बात की जाती हो उसका बोध कराने वाला सर्वनाम अन्य पुरुष होता है।

अब इन वाक्यों पर विचार करो:—

	एकवचन	बहुवचन
(१)	मैं समुद्र पार करूँगा।	हम समुद्र पार करेंगे।
(२)	तू पाठ याद कर।	तुम पाठ याद करो।
	तुम पाठ याद करो।	आप पाठ याद करें।
(३)	वह गाता है।	वे गाते हैं

ऊपर के वाक्यों में मैं, तू, (तुम) और वह के बहुवचनों में क्या रूप देखते हो? हम, तुम, (आप) और वे।

पुनः इन वाक्यों के सर्वनामों को देखो.

(१) पिता जी क्या आए। क्या न करेंगे

(२) मालिक ने नौकर से कहा हम इनाम देंगे।

(३) और [illegible] न हुआ हो। (४) मा तू प्रसन्न हो।

अभ्यास

१—विशेषणात्मक [illegible]

२—[illegible]

३—[illegible]

अध्याय २०

सर्वनामों के भेद

सम्बन्ध-वाचक सर्वनाम

इन वाक्यों में बड़े अक्षरों वाले सर्वनामों को देखो:—

(१) यह वह लड़का है जो अयोध्या में रहता है।

(२) यह वह मनुष्य है, जिसने शेर मारा था।

(३) यह वह अँगूठी है, जो पिता जी ने दी थी।

(४) यह वह अँगूठी है जिसे पिता जी ने खरीदा था।

(५) यह वह अँगूठी है जिसको पिता जी ने खरीदा था।

प्रथम वाक्य में 'जो' शब्द किस संज्ञा से सम्बन्ध रखता है?—लड़का शब्द से।

दूसरे वाक्य में 'जिसने' शब्द किस संज्ञा से अपना सम्बन्ध बतलाता है?—मनुष्य शब्द से।

तीसरे, चौथे और पाँचवें वाक्यों में 'जो', 'जिसे' और 'जिसको' किस संज्ञा से सम्बन्ध रखते हैं?—अँगूठी शब्द से।

इस प्रकार संज्ञा से सम्बन्ध रखने वाले सर्वनामसम्बन्धवाचक कहलाते हैं।

(५) हम
तुम
व | गये थे।

(६) ये मेरे घोड़े हैं।

पहली वाक्य-माला में 'मैं' 'तू' 'वह' किस लिंग में हैं? —पुल्लिंग मे

दूसरी वाक्य-माला में 'मैं' 'तू' 'वह' किस लिंग में हैं? —स्त्रीलिंग मे

एक ही शब्द के जुदे जुदे लिंग कैसे पहचाने गये? —क्रिया के कारण

तीसरे और चौथे वाक्यों में 'यह' शब्द किन लिंगों में है? तीसरे में पुल्लिंग, चौथे में स्त्रीलिंग

'यह' शब्द के जुदे जुदे लिंग कैसे पहचाने गये?— संज्ञाओं के कारण जिनके बदले में सर्वनामों का प्रयोग हुआ है।

इससे जाना कि सर्वनाम शब्दों का रूप दोनों लिंगों में समान होता है और उनका लिंग—ज्ञान क्रिया से किया जाता है अथवा उस संज्ञा के द्वारा जिसके स्थान में वे प्रयुक्त हैं।

अब पाँचवीं वाक्य-माला की तुलना पहली वाक्य-माला से करो—

'मैं' 'तू' 'वह' सर्वनाम किस वचन में हैं?—एकवचन में

'हम' 'तुम' और 'वे' किस वचन में हैं?—बहुवचन में।

वचन बदलने पर रूप में क्या अन्तर हुआ?—'मैं' का 'हम', 'तू' का 'तुम' और 'वह' का 'वे'।

इसी प्रकार तीसरे और छठे वाक्यों में 'यह' का 'ये' में बदलना समझो।

हमने यह जाना कि सर्वनामों के रूप वचनों के कारण बदल जाते हैं।

इन बड़े अक्षरोंवाले सर्वनामों को अब फिर देखो:—

(१) मैंने किताब पढ़ी।

मुझको किताब पढ़ाई। (३) मेरी किताब पढ़ाई। (४) मेरे लिये किताब पढ़ाई गई।

ऊपर के वाक्यों में 'मैं' शब्द किन कारकों में है?

कर्त्ता, कर्म, सम्बन्ध और सम्प्रदान में।

कारकों के बदलने पर 'मैं' शब्द के रूप कैसे बदलते हैं?

क्रमशः कर्त्ता, कर्म, सम्बन्ध और सम्प्रदान में 'मैंने' 'मुझको' 'मेरी' 'मेरे' 'लिए'।

यह मालूम हुआ कि कारकों में भी सर्वनाम के रूप बदलते हैं।

नीचे सर्वनाम शब्दों के दोनों वचनों और सातों कारकों के दिये जाते हैं। इनका सम्बोधन नहीं होता।

उत्तम पुरुष का 'मैं' शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
कर्म	मुझे, मुझको	हमें, हमको
करण	मुझसे	हमसे
सम्प्रदान	मुझको, मेरे लिये, मुझे	हमको, हमारे लिये, हमें
अपादान	मुझसे	हमसे
सम्बन्ध	मेरा, मेरे, मेरी	हमारा, हमारे, हमारी
अधिकरण	मुझमें, मुझ पर	हममें, हम पर

ऊपर देखो कि 'मैं' शब्द एकवचन में 'मुझ' और बहुवचन में 'हम' बन जाता है।

मध्यम पुरुष का 'तू' शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	तू, तूने	तुम, तुमने
कर्म	तुझे, तुझको	तुम्हें, तुमको

कर्म	किसको, किसे	किनको, किन्हें
करण	किससे	किनसे
सम्प्रदान	किसको, के लिए	किनको, के लिये
अपादान	किससे	किनसे
सम्बन्ध	किसका, के, की	किनका, के, की
अधिकरण	किसमें, पर	किनमें, पर

देखो 'कौन' शब्द एकवचन में 'किस' और बहुवच
'किन' और 'किन्ह' का आता है।

आदरसूचक 'आप' शब्द (केवल बहुवचन में)

कर्ता	आप, आपने
कर्म	आपको
करण	आपसे
सम्प्रदान	आपका, आपके लिये
अपादान	आप से
सम्बन्ध	आपका, के, का
अधिकरण	आपमें, पर

निजवाचक 'आप' शब्द (दोनों वचनों में समान)

कर्ता	आप
कर्म	आपको, अपने को
करण	अपने से
सम्प्रदान	अपने लिये
अपादान	अपने से
सम्बन्ध	अपना, अपनी, अपने
अधिकरण	अपने, में, पर

प्रश्नवाचक 'क्या' शब्द (एकवचन में)

कर्ता	क्या
कर्म	क्या

करण	कैसे, किससे, काहे से
सम्प्रदान	कैसे, किस लिये, काहे के लिये
अपादान	कैसे, किससे, काहे से
सम्बन्ध	किसका, काहे का
अधिकरण	किसमें, काहे में ।

अनिश्चयवाचक 'कुछ' शब्द (एकवचन)

र्ता और कर्म में--कुछ

अभ्यास

१--सर्वनाम शब्दों का लिंग कैसे पहचाना जाता है ?

२--मैं, तू और वह शब्दों के रूप कर्म, सम्प्रदान और अधिकरण कारकों के दोनों वचनों में बताओ ।

३--किससे, किसका, इसे, किसी से किन शब्दों के रूप हैं ? ये किन वचनों और कारकों में हैं ? इनके दूसरे वचन क्या होंगे ?

४--'आप' शब्द किन अर्थों में प्रयुक्त होता है ? प्रत्येक के उदाहरण दो ।

अध्याय २३

सर्वनामों की पदव्याख्या

जो अपने गुरु की निन्दा करे, उसे हम नहीं पढ़ा सकते, आप कुछ भी कहें ।

जो--सम्बन्धवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग या स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक, 'निन्दा करे' क्रिया का कर्त्ता ।

अपने--पुरुषवाचक, निजबोधक सर्वनाम, उत्तम पुरुष के लिये, पुल्लिंग, एकवचन, सम्बन्ध कारक, 'गुरु' शब्द से

अकर्मक की धातुओं से सकर्मक क्रियाएँ बन जाती हैं।
तीसरे और छठे वाक्यों पर विचार करो।
तीसरे वाक्य में 'जमवाता है' क्रिया का कर्त्ता कौन है ?
राजा।
लेकिन पेड़ जमाने का काम किसने किया ? माली ने।
माली किसकी आज्ञा से पेड़ जमाता है ? 'राजा' कर्त्ता के हुक्म से।
यों जमाने का काम माली करता है किन्तु राजा की प्रेरणा से।
इसलिये जमवाता है जमना क्रिया का प्रेरणार्थक रूप कहा जायगा।
इसी भाँति छठे वाक्य में समझो।
नीचे दिये हुए उदाहरणों से अकर्मक से सकर्मक तथा [प्रेरणा]र्थक रूप बनाना सीखो :—

अकर्मक	सकर्मक	प्रेरणार्थक
गिरना	गिराना	गिरवाना
सोना	सुलाना	सुलवाना
दौड़ना	दौड़ाना	दौड़वाना
छूटना	छोड़ना	छुड़वाना
टूटना	तोड़ना	तुड़वाना

(ई)

नीचे के उदाहरणों को देखो :—
(१) राम खेलता है। (२) वह पत्र लिख चुका।
(३) मोहन दौड़ सकेगा।

ऊपर के वाक्यों में कौन-कौन क्रियाएँ हैं ? खेलता है, लिख चुका और दौड़ सकेगा।

इनके सामान्य रूप क्या हैं ? खेलना, लिखना और दौड़ना।

इनके विशेष रूप बनाने में दूसरी किन क्रियाओं की सहायता ली गयी है ? है, चुका और सकेगा।

११—राम ने दवा खा ली।
१२—मोहन अपने भाई का लड्डू खा गया।
१३—पानी बरस रहा है।
१४—रावण राम को न हरा सका।
१५—विद्यार्थी पत्र लिख चुका।

अभ्यास

१—सहायक तथा संयुक्त क्रियाओं से क्या समझते हो?
२—प्रेरणार्थक क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाओ।
३—अकर्मक क्रियाएँ सकर्मक कैसे हो जाती हैं?
४—द्विकर्मक क्रियाओं के पाँच उदाहरण दो और उनके प्रयोग से वाक्य बनाओ।
५—पूरक किसे कहते हैं? कर्म में और पूरक में क्या भेद है? स्पष्ट बताओ।
६—नीचे दिये हुए वाक्यों की क्रियाएँ किस प्रकार की हैं:—
(१) माता ने मुझे भोजन खिलाया। (२) नौकर ने ...को गिरा दिया। (३) घोड़ा बीमार पड़ गया। (४) उसे ...त आम चखा दो। (५) बबूल के पेड़ कटवा डालो।

अध्याय २६

क्रियाओं के काल

(१) राम अभी आता है। (२) राम कल आया था।
(३) राम कल आवेगा।

इन तीनों वाक्यों में बतलाया
राम कब आता है ...

क्या ये क्रियाएँ व्यापार होने का कोई खास या विशेष समय बतलाती हैं? नहीं।

ऐसी क्रियाएँ जो वर्तमान काल का कोई विशेष समय न बतलाकर साधारण प्रकार से वर्तमान काल में होना बतलाती हैं सामान्य वर्तमान में होती हैं।

तीसरे वाक्य-समूह में देखो।

ये क्रियाएँ किस काल की हैं? वर्तमान काल की।
क्या व्यापार का होना निश्चित है? नहीं।
तो ये क्रियाएँ व्यापार के बारे में क्या निश्चय कराती हैं? सन्देह।

शायद व्यापार होता हो या होता न हो अर्थात् इन क्रियाओं के रूप में व्यापार का होना सन्दिग्ध है, इसलिए इन्हें सन्दिग्ध वर्तमान में कहेंगे।

तो सीखा कि वर्तमान काल तीन प्रकार का है: —

(१) अपूर्ण वर्तमान, वह जिसमें क्रिया का व्यापार पूरा नहीं हुआ।

(२) सामान्य वर्तमान, वह जो किसी विशेष काल का बोध न करावे।

(३) सन्दिग्ध वर्तमान, वह जिसमें वर्तमान काल का क्रिया के व्यापार का होना निश्चित न हो।

[illegible]

अध्याय २८

कालों के भेद (भूतकाल)

(१) जब मैं यहाँ पहुँचा, मोहन सो रहा था।
सोता था।

जब मैं यहाँ पहुँचा, राम पुस्तक पढ़ रहा था।
पढ़ता था।

जब मैं यहाँ पहुँचा, नौकर घण्टी बजा रहा था।
बजाता था।

(२) मोहन सो चुका है। | राम पुस्तक पढ़ चुका है।
मोहन सोया है। | रामने पुस्तक पढ़ ली है।
पढ़ी है।

नौकर घण्टी बजा चुका है।
नौकर ने घण्टी बजाई है।

(३) मोहन सोया। राम ने पुस्तक पढ़ी। नौकर ने घंटी बजाई।

(४) मोहन दस वर्ष पूर्व राजा के तख्त पर सोया था।
राम ने हजारों वर्ष पूर्व विश्वामित्र से पुस्तक।

नौकर ने घण्टी गलत बजाई थी।
इसलिये वह स्कूल से निकाला गया।

(५) मोहन सोता होगा। | रामने पुस्तक पढ़ी होगी।
मोहन सोता होगा। |

नौकर ने घण्टी बजाई होगी।

(६) यदि मोहन सोता। | यदि राम ने पुस्तक पढ़ी होती
यदि मोहन सोया होता, | तो विद्वान् बन जाता
तो चोरी हो जाती। |

यदि नौकर ने छुट्टी की घण्टी
बजाई होती, तो लड़के प्रसन्न होते।

प्रथम वाक्य-समूह में देखो —
ये क्रियाएँ किस काल की हैं ? भूत काल की।
क्या ये व्यापार समाप्त हो गये थे ? नहीं।
तो क्रियाओं का व्यापार होने के विषय में क्या विशेष बात पाते हो ? यह कि, काम जारी था।

ऐसी भूतकाल की क्रियाएँ जिनका व्यापार जारी हो किन्तु समाप्त न हुआ हो अपूर्ण भूत में होती हैं।

दूसरे वाक्यसमूह में देखो :—
ये क्रियाएँ किस काल की हैं ? भूत काल की।
क्रिया का व्यापार समाप्त हो चुका है या नहीं ?
समाप्त हो चुका है
व्यापार समाप्त हुए कितनी देर हुई है ? थोड़ी देर हुई है

ऐसी भूतकाल की क्रियाएँ जिनका व्यापार हाल में ही समाप्त हुआ है, आसन्न भूत में होती हैं।

तीसरे वाक्य-समूह में देखो:—

ये क्रियाएँ किस काल की हैं ? भूत काल की।

क्या इनमें व्यापार की अपूर्णता या जारी होना पाते हो ?

नहीं। क्या व्यापार अभी समाप्त हुआ है ? नहीं।

क्या क्रिया का व्यापार होने के सम्बन्ध में कोई विशेष कार का संकेत है ? नहीं।

यों साधारण प्रकार से भूतकाल बतलानेवाली क्रियाएँ सामान्य भूत में होती हैं।

चौथे वाक्य-समूह में देखो :—

ये किस काल की क्रियाएँ हैं ? भूत काल की।

क्या काम हो चुका है ? हाँ।

क्या काम अभी समाप्त हुआ ? नहीं।

काम समाप्त हुए कितना समय हुआ ? बहुत समय हुआ।

ल पर सोने के काम को पूरा हुए बहुत समय हो चुका है।

राम को पढ़े हुए भी अधिक समय हो चुका है।

इसी प्रकार नौकर के निकालने का काम और घण्टी लत बजाने का काम भूत काल में हुए हैं।

लेकिन पहिले कौन काम हुआ है ? घण्टी का गलत बजाना।

ये अधिक समय पहिले व्यापार का पूर्ण होना बतलानेवाली क्रियाएँ पूर्ण भूत काल में हैं।

अब पाँचवें वाक्य-समूह में समझो ;—

क्या क्रियाओं के व्यापार निश्चयपूर्वक हुए ? ठीक नहीं मालूम।

क्या क्रियाओं के व्यापार नहीं हुए ? —निश्चय नहीं।

इस प्रकार सन्देह प्रकट करनेवाली भूतकाल की क्रियाएँ सन्दिग्ध भूत में होती हैं।

धारण प्रकार के भविष्य काल का बतलानेवाली क्रिया मान्य भविष्य में होती है।

(ख)

(१) यदि वह जावे तो मैं रुकूँ? (२) यदि लड़का रोया तो तुम पीटे गये।

रुकने की सम्भावना कब है? यदि वह जावे।

पीटे जाने की सम्भावना कब है? यदि लड़का रोए।

रुकने का व्यापार किस बात पर निर्भर रहेगा? उसके जाने पर।

पीटे जाने का व्यापार किस काम पर निर्भर रहेगा? लड़के के रोने पर।

इस प्रकार जब भविष्य काल की किसी क्रिया के व्यापार का होना दूसरी क्रिया के होने पर निर्भर रहता है उसे हेतु-हेतुमद्भविष्य कहते हैं। किन बातों से यह हेतुहेतुमद्भूत से मिलता-जुलता है, और किन बातों में नहीं, इसे समझो।

अभ्यास

१—भविष्य कितने प्रकार का है? प्रत्येक के उदाहरण दो।

२—हेतुहेतुमद्भूत और हेतुहेतुमद्भविष्य की तुलना करो।

३—नीचे के वाक्यों की क्रियाओं के काल बताओ:—

(१) शंकर दो सप्ताह में तुमसे मिलेगा। (२) यदि तुम गुरु जी का कहना न मानो तो कहीं के न रहो। (३) कहीं मकान न गिर पड़े। (४) रामस्वरूप बहुत जल्द बाग लगवादेगा। (५) सम्भवतः मैं आपको भूल जाऊँ। (६) यदि नौकर पंखा हाँके तो हवा लगे। (७) यदि प्रदर्शनी हो तो मैं कारीगरी दिखाऊँ।

(२)

(१) राम भोजन करके सो गया। (२) खेलकर विश्राम करो।
(३) मैं कपड़े पहन के स्कूल जाऊंगा।

ऊपर के वाक्यों में क्रियाओं के व्यापार का क्या क्रम है?
पहले वाक्य में—भोजन करना, फिर सोना।
दूसरे वाक्य में—पहले खेलना, फिर विश्राम करना।
तीसरे वाक्य में—पहले पहनना, फिर जाना।

इन वाक्यों से स्पष्ट है कि प्रत्येक मुख्य क्रिया होने के पहले एक क्रिया हो चुकी है जिसे हम पूर्वकालिक क्रिया कहेंगे।

इसके भिन्न २ तीनों रूपों को ऊपर के उदाहरणों से समझ लो।

(३)

(क)

(१) संभव है, इस समय श्याम पाठशाला जाता हो।
(२) कदाचित् अभी माधव पत्र लिखता हो।
(३) शायद तुम्हारी बात सच हो।
(४) कहीं वह पागल ही न हो।

(ख)

(१) हो सकता है, उसने तार न दिया हो।
(२) पता नहीं, वह मर गया हो।
(३) पैर में चक्र बाँध के हिरना कूदा हो।

(ग)

(१) सम्भव है, रोगी मर जावे। (२) शायद कल पानी बरसे।
(३) कहीं बालक गिर न पड़े।

यों 'देखता है' का 'देखा जाता है' बन गया।

फिर देखो :—

प्रथम वाक्य में 'मोहन' किस कारक में है ? कर्म कारक में

कर्मवाच्य में 'मोहन' किस कारक में रखा गया है ?

कर्त्ता कारक में

तो सीखा कि कर्तृवाच्य का कर्म, कर्मवाच्य में कर्त्ता कारक हो जाता है।

प्रथम वाक्य में क्रिया का कर्त्ता कौन है ? राम।

कर्मवाच्य में इसका क्या रूप पाते हो ? करण में (रामसे)

इससे जाना कि कर्तृवाच्य का कर्त्ता, कर्मवाच्य में करण कारक होकर आता है।

पहिले वाक्य में क्रिया के लिंग, पुरुष और वचन किसके अनुसार हैं ? —कर्त्ता के।

कर्मवाच्य में क्रिया के लिंग पुरुष और वचन किसके अनुसार हैं ? —कर्त्ता के, जो कर्तृवाच्य में कर्म था।

तो सीखा कि कर्मवाच्य में क्रिया का लिङ्ग पुरुष और वचन कर्त्ता के अनुसार होता है।

दूसरे वाक्य को देखकर भाववाच्य का बनाना सीखो।

ऊपर निकले हुए निष्कर्षों को तीसरे और चौथे वाक्य में प्रयोग करके देखो।

अभ्यास

१—क्रियाओं के कितने वाच्य होते हैं ? उदाहरण सहित नाम बताओ।

२—अकर्मक क्रिया का कर्मवाच्य क्यों नहीं बनता ?

३—भाववाच्य क्रियाओं के चार उदाहरण दो।

४—नीचे लिखे वाक्योंकी क्रियाओं के वाच्य बतलाओ और वाक्यों का वाच्य परिवर्तन करो :—

मैंने, तूने, उसने किया था-की थी हमने, तुमने उन्होंने किये थे-की थीं

मैंने, तूने, उसने किया था-की थी हमने, तुमने, उन्होंने किये थे-की थीं

ऊपर के रूपों की तुलना सामान्य भूत के रूपों से और समझ लो कि होना क्रिया के योग से सामान्य से पूर्ण भूत कैसे बन सकता है।

आसन्न भूत

(१)

एकवचन	पु०	स्त्री०	बहुवचन पु०	स्त्री०
उत्तम पु०	मैंने किया है	—की है	हमने किये हैं	—की हैं
मध्यम पु०	तूने किया है	—की है	तुमने किये हैं	—की हैं
अन्य पु०	उसने किया है	—की है	उन्होंने किये हैं	—की हैं

(२)

एकवचन	पु०	स्त्री०	बहुवचन पु०	स्त्री०
उत्तम पु०	मैं कर चुका हूँ	चुकी हूँ	हम कर चुके हैं	—चुकी हैं
मध्यम पु०	तू कर चुका है	—चुकी है	तुम कर चुके हो	—चुकी हो
अन्य पु०	वह कर चुका है	—चुकी है	वे कर चुके हैं	—चुकी हैं

(१) में सामान्य भूत से होना क्रिया के रूपों का जोड़ आसन्न भूत बनाना सीखो।

(२) में धातु में 'चुकना' क्रिया के सामान्य भूत के और 'होना' क्रिया के वर्तमान काल के रूपों के योग आसन्न भूत बनाना सीखो।

सन्दिग्ध भूत

एकवचन	पु०	स्त्री०	बहुवचन पु०	स्त्री०
उत्तम पु०	मैंने किया होगा	—की होगी	हमने किये होंगे	—की होंगी
मध्यम पु०	तूने किया होगा	—की होगी	तुमने किये होंगे	—की होंगी
अन्य पु०	[illegible] होगा	—की होगी	उन्होंने किये होंगे	—की होंगी

हेतुहेतुमद्भविष्य

तीनों लिङ्गों में समान

उ० पु०	मैं करूँ।	हम करें।
म० पु०	तू करे।	तुम करो।
अ० पु०	वह करे।	वे करें।

सामान्य भविष्य के रूपों में से गा, गी और गे निकाल कर हेतुहेतुमद्भविष्य कैसे बनता है, ऊपर के रूपों से समझो

विधि क्रिया

उ० पु०	मैं करूँ।	हम करें।
म० पु०	तू कर, तुम करो। आप करिये करें करिये	
अ० पु०	वह करे।	वे करें।

सामान्य तथा हेतुहेतुमद्भविष्य काल के रूपों से विधि रूपों की तुलना कर समझो कि विधि क्रियाएँ कैसे बनती हैं।

सम्भावना तथा पूर्वकालिक क्रियाओं के रूपों को अध्याय २६ में दिये हुए उदाहरणों से बनाना सीखो।

अभ्यास

१—कोष्ठ में दी हुई क्रिया के अभीष्ट काल का रूप देकर खाली स्थानों को पूरा कर दो —

(१) राम दूध—(पीना, सामान्य भविष्य)
(२) लड़का पाठशाला—(जाना, सामान्य भूत)
(३) घोड़ा आंगन में—(कूदना, हेतुहेतुमद्भूत)
(४) किसान बैलों को (खिलाना, सामान्य वर्तमान)
(५) खेतों में अनाज—(पैदा होना, सन्दिग्ध वर्तमान)
(६) दर्जी मेरे लिए टोपी—(सीना, अपूर्ण वर्तमान)

२ - निम्नलिखित क्रियाओं के रूप उन कालों में बताओ जो उनके सामने के [illegible] —

ऊपर दिये हुए उदाहरणों को लेकर 'बोलो' और की व्याख्या इस प्रकार होगी —

बोलो—सकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्तृ उत्तम पुरुष, पुलिंग, एकवचन, कर्ता 'राम' के अनुसार, इस कर्म 'मैं पत्र लिखूंगा' है।

अन्य उदाहरणों की पदव्याख्या नीचे दी जाती है :—

लिखूंगा—सकर्मक क्रिया, भविष्यत् काल, उत्तम पु पुलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, कर्ता 'मैं' के अनुसार, इ कर्म 'पैसे' है।

लेकर—सकर्मक क्रिया, पूर्वकालिक, इसका कर्म 'पैसे'

दिखाया जावेगा—सकर्मक क्रिया, भविष्यत काल, पुरुष, पुलिंग, एकवचन, कर्मवाच्य, इसका कर्ता 'तमाशा'

अभ्यास

१—निम्नलिखित वाक्यों के क्रियाओं की पदव्याख्या करो :—

लड़के पुस्तकें लेकर स्कूल पहुंचे। गुरु जी को प्रणाम किया अपनी जगह पर बैठ गये। गुरुजी ने कहा कि तुम लोग कल का सुनाओ। एक लड़के ने जवाब दिया कि मैं आज पाठ नहीं या आया हूं, कल याद कर सुना दूंगा।

२—अपनी पाठ्य पुस्तक के किसी पाठ में आई हुई प्रथ क्रियाओं की पदव्याख्या करो।

अध्याय ३४

विशेषण और उसके भेद

(अ)

(१) यह आलसी लड़का है। (२) यह लड़का आलसी है। प्रथम वाक्य में आलसी शब्द क्या है?

(४) दूसरा पृष्ठ खोलो। (५) वह कक्षा में प्रथम
६ दूनी शक्कर डालो। (७) चौगुनी भीड़
(=) नवों ग्रह बिगड़े। (९) तीनों लोक के
(१०) प्रत्येक विद्यार्थी आया। (१) हर एक लड़का झूठ

आदमी कितने ? पचास।
आदमी कितने ? सौ।
खिड़कियाँ कितनी ? बहुत।
पचास, सौ और बहुत क्या बतलाते हैं ? संख्या, गिन
पृष्ठ कौन सा ? दूसरा।
कक्षा में कौन सा ? प्रथम।
प्रथम और दूसरा क्या बतलाते हैं ? क्रम।
शक्कर कितना ? दूनी।
भीड़ कितनी ? चौगुनी।
दूनी और चौगुनी क्या बतलाते हैं ? आवृत्ति, उतने
ग्रह कितने ? नवों अर्थात् सभी का
लोक कितने ? तीनों अर्थात् सभी का स
नवों और तीनों क्या बतलाते हैं ? समूह।
विद्यार्थी कौन ? प्रत्येक अर्थात् बहुत में से हर
लड़का कौन ? हर एक, अर्थात् अलग अलग
होने पर सभी में से एक
प्रत्येक, हर एक क्या बतलाते हैं ? विभाग,

जो विशेषण अपने विशेष्य की संख्या, क्रम, आवृत्ति,
विभाग आदि विशेषता को बतलावे, संख्यावाचक कहलाते

इनके क्रमवाचक, आवृत्तिवाचक, समूहवाचक,
समुच्चयबोधक, और विभागवाचक भेद किये जा सक
जिन्हें ऊपर के उदाहरण से समझ लो।

(१) [illegible]

(२) [illegible] कुछ [illegible]

(३) [illegible] थोड़े [illegible]

सब कुछ और थोड़े कैसे विशेषण हैं ?

ये ठीक ठीक [illegible] संख्या का बोध [illegible] नहीं बतलाते । इन्हें अनिश्चित संख्यावाचक कहते हैं

(३)

(१) कुछ मिठाई लाओ (२) थोड़ा पानी लाओ।

(३) मेरे पास बहुत धन है। (४) सेर भर दाल।

ये विशेषण अपने विशेष्यों की परिमाण बतलाते हैं

तौल, नाप, मात्रा, परिमाण आदि ।

मिठाई कितनी ?	तौल में थोड़ी ।
पानी कितना ?	मात्रा में कम ।
धन कितना ?	परिमाण में अधिक ।
दाल कितनी	तौल में सेर भर

ये विशेषण परिमाणवाचक कहलाते हैं क्योंकि इनके द्वारा विशेष्यों का परिमाण जाना जाता है ।

परन्तु सेर भर ठीक परिमाण बतलाता है या थोड़ा बहुत सेर भर ठीक परिमाण बतलाता है ।

परन्तु कुछ, थोड़ा, बहुत आदि शब्द ? ये ठीक परिमाण नहीं बतलाते

। ठीक परिमाण बताने वाले विशेषण को निश्चित परिमाण वाचक कहेंगे और ठीक परिमाण न बताने वाले विशेषण को अनिश्चित परिमाण वाचक कहेंगे ।

ऊपर आये हुए अनिश्चित संख्यावाचक विशेषणों का अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषणों से मिलान करो ।

व्यक्तिवाचक संज्ञाओं से बने हुए विशेषण व्यक्तिवाचक विशेषण कहलाते हैं।

अभ्यास

—विशेषण की परिभाषा बताओ।

—विशेषण के कितने भेद हैं? प्रत्येक उदाहरण सहित लिखो।

—व्यक्तिवाचक संज्ञाओं से कैसे विशेषण बनते हैं? ऐसे विशेषणों के तीन उदाहरण दो।

—संख्यावाचक विशेषण कितने प्रकार के हैं? उदाहरण देकर बताओ।

—ऐसे विशेषण के उदाहरण दो, जो परिमाण वाचक और संख्यावाचक दोनो हों।

—नीचे दिये हुए वाक्यों में किस प्रकार के विशेषण हैं?—
मेरा पालतू तोता पीपल की ऊँची डाल पर जा बैठा। मैंने पका केला दिखला कर उसे बुलाना चाहा। श्याम ने उस पर [illegible] ढेले चलाये लेकिन उसने पीपल के हरे पत्तों को मेरे मीठे केले से ज्यादह अच्छा समझा और सुनहले पिंजड़े में आना न [illegible] किया।

अध्याय ३५

विशेषणों का रूप-साधन

[१] खट्टा नींबू। [५] खट्टी इमली।
[२] दुबला लड़का। [६] दुबली लड़की।
[३] नीला आकाश। [७] नीली [illegible]।
[४] लम्बा बिछौना। [८] लम्बी चटाई।

ऊपर के विशेषण और विशेष्यों को अच्छी तरह देखो। विशेषण किन रूपों में हैं? प्रथम चार उदाहरणों में [illegible] और शेष चारों में स्त्रीलिंग।

अध्याय ३६

विशेषणों का अन्य विचार

(क)

(१) मुरारी निर्धन मनुष्य है।

(२) मुरारी हरी से अधिक निर्धन मनुष्य है।

(३) मुरारी गाँव के सब लोगों से अधिक निर्धन म
है। निर्धन शब्द का प्रयोग तीनों वाक्यों में देखो।

पहले वाक्य में मुरारी को निर्धन बतलाते समय के
मुरारी का ही विचार किया गया है। दूसरे में मुरारी के
हरी की निर्धनता पर विचार किया गया है। तीसरे
मुरारी के साथ गाँव के सब लोगों की निर्धनता का वि
किया गया है। पहले में निर्धन शब्द साधारण विशेषण
दूसरे में तुलनात्मक विशेषण है और तीसरे में सर्वोत्त
मूलक विशेषण है। संस्कृत में पिछले दोनों अर्थों में तर
तम प्रत्यय लगते हैं, जैसे - सुन्दर, सुन्दरतर, सुन्दरतम।

ख

(१)	(२)	(३)	(४)
यह	ऐसा	इतना	—ने
वह	वैसा	उतना	—ने
कौन	कैसा	कितना	—ने
जो	जैसा	जितना	—ने

ऊपर के प्रथम चारों शब्द कैसे सर्वनाम हैं? —
निश्चयवाचक।

विशेष्यों के साथ ये कैसे विशेषण बन जाते हैं?
संकेतवाचक।

दूसरी पंक्ति के चारों शब्द कैसे विशेषण हैं? —
संकेतवाचक।

तीसरी और चौथी पंक्तियों के ऊपर कैसे विशेषण हैं ?
परिमाणवाचक और अनिश्चित संख्यावाचक।

(५)

(१) चढ़ती हुई नदी, चढ़ती नदी।
(२) सूखा हुआ पत्ता, सूखा पत्ता।
(३) पकी हुई खेती, पकी खेती।
(४) खिली हुई कली, खिली कली।

ऊपर के विशेषणों को देखो कि वे किन क्रियाओं से बने हैं। इस प्रकार क्रियाओं से भी विशेषण बना लिये जाते हैं।

(६)

१-विद्वान मनुष्य आदर पाता है। २-विद्वान् आदर पाता है।
३-उनको लाख रुपये मिले। ४-उनको लाख मिले।

ऊपर के मोटे अक्षरों वाले शब्दों पर ध्यान दो।
विद्वान और लाख शब्द पहले और दूसरे वाक्यों में क्या हैं ?
—विशेषण।
इनके विशेष्य क्या हैं ? मनुष्य और रुपये।
तीसरे और चौथे वाक्यों में दोनों शब्द क्या हैं ? संज्ञाएँ।
क्यों ?

यों सीखा कि विशेषण संज्ञाओं की भाँति भी प्रयुक्त होते हैं। उस दशा में इनके रूप संज्ञाओं की तरह होते हैं।

अभ्यास

१—ऐसे विशेषणों के चार उदाहरण दो जो संज्ञा बनकर प्रयुक्त हुए हों ?
२—क्रियावाचक विशेषणों के चार उदाहरण दो।
३—तुलनात्मक तथा सर्वोच्चतासूचक विशेषणों से क्या समझते हो। उदाहरण देकर बताओ।

(७) बाहर आओ। (८) इन चीज़ों को जहां तहां रहने दो।

इन क्रिया विशेषणों को देखो :—

ठहरें किस जगह ? यहीं।

बैठी किस स्थान पर है ? ऊपर।

खड़े किस स्थान पर रहना है ? सामने।

आता किस जगह है ? बाहर इत्या

ये क्रियाओं की क्या विशेषता बतलाते हैं ? क्रिया होने स्थान।

ऐसे अव्यय जो क्रिया के होने का स्थान बतलाते स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

ई

(१) कम बोलो। (३) ज़रा रुको।

(२) खूब पढ़ो। (४) थोड़ा खाओ।

बोलो कितना ? कम मात्रा

पढ़ो कितना ? खूब मात्रा

रुको कितना ? समय की थोड़ी मात्रा भर—ऊ

खाओ कितना ? परिमाण में थ

ऊपर के क्रिया विशेषण क्रियाओं की क्या विशेषता दि है ?—परिमाण या मात्रा।

ऐसे क्रियाविशेषण जो क्रियाओं का परिमाण बत परिमाणवाचक कहलाते हैं।

ई

(१) धीरे चलो। (४) तेज़ दौड़ो।

(२) जल्द भागो। (५) भलीभांति समझ लो।

(३) वृथा फिरे। (६) अच्छा लिखा।

(७) एक दिन आकर स्वयं मुझे मिल जाओ।

किस प्रकार चलो ? — उस प्रकार से [illegible] है।
किस प्रकार जाओगे ? — उस [illegible] है।
किस भाँति लिखे ? — किस प्रकार [illegible] हुआ है।
किस प्रकार दौड़ो ? — उस प्रकार [illegible] है।

किस रीति से बनाया ? किस भांति या [illegible] का ढंग।

किस प्रकार लिखो ? जो लिखने का अच्छा प्रकार हो।
ये क्रियाविशेषण क्रियाओं की क्या विशेषता बतलाते हैं ?
—क्रियाओं के करने या होने के प्रकार अथवा रीति।
ऐसे क्रिया विशेषण जो क्रियाओं के करने या होने की रीति बतावें रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

(ङ)

(१) तुमने चोरी की इसलिये सज़ा पाओगे।
(२) मैं नहीं जानता कि वह किसलिये गया है।
(३) बताओ तुम क्यों चुप हो।

ऊपर के क्रियाविशेषणों को देखो।
सज़ा, किस कारण ? — क्योंकि चोरी की।
'इसलिये' शब्द क्रिया के बारे में क्या बतलाता है ?-कारण।
इसी प्रकार अन्य क्रियाविशेषण भी क्रिया के होने का कारण बतलाते हैं। ये हेतुवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

(ऊ)

(१) वह अवश्य आयेगा। (२) सचमुच चला गया।
(३) वह निस्सन्देह मर गया।

ऊपर के क्रिया विशेषण क्रियाओं की क्या विशेषता बतलाते हैं ? निश्चयरूप से उनका होना

ऐसे क्रियाविशेषणों को निश्चयवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

(४) वह कदाचित आवेगा। (५) राम शायद चला गया।

(६) वह सम्भवतः मर गया।

इन वाक्यों को पहले तीन वाक्यों से मिलान करो।

ये क्रियाविशेषण क्रियाओं की क्या विशेषता बतलाते हैं।
—अनिश्चय।

ऐसे क्रियाविशेषणोंको अनिश्चयवाचकक्रियाविशेषण कहते हैं।

(१) मैं खेलने नहीं जाऊँगा। (४) हाँ मैं खेलने जाऊँगा।

(२) तुम खेलने मत जाओ। (५) अच्छा, तुम खेलने जाओ।

(३) वहां आप न जाइयेगा। (६) जी हाँ, आप जा सकते हैं।

पहले तीन वाक्यों का मिलान दूसरे तीन वाक्यों से करो और बतलाओ कि ये क्रियाविशेषण क्रियाओं के बारे में क्या बतलाते हैं? —एक निषेध दूसरे स्वीकृत।

इन्हें हम क्रमशः निषेधवाचक और स्वीकृतिवाचक क्रियाविशेषण कहेंगे।

(ऐ)

(१) तुमने कुछ पढ़ा तो नहीं, क्या पत्थर पार होओगे।

(२) व्यर्थ डींग न हांको, तुम क्या कुश्ती लड़ोगे!

(३) कल मैं दिन भर राह देखता रहा, आप तो खूब आये।

ऊपर के तीनों बड़े अक्षरों वाले शब्द क्रिया के अर्थ में क्या परिवर्तन कर देते हैं!—क्रिया से प्रकट होनेवाले अर्थ को उलट देते हैं।

इन शब्दों के प्रयोग से कहनेवाले के मन का क्या भाव प्रकट होता है? ताना।

इन्हें हम व्यङ्ग्यवाचक क्रियाविशेषण कहेंगे क्योंकि इनके शाब्दिक अर्थ भिन्न हैं। पता लगाओ कि ये शब्द अन्यत्र क्या होते हैं?

अभ्यास

नीचे लिखे हुए वाक्यों में क्रियाविशेषण छाँटो और उनका भेद बताओ :—

(अ) आजकल वर्षा बहुत जोर की होती है। (ब) वहाँ भूखा जगता है पर नहीं छोड़ता। (स) हाँ, मैं तो कुछ ही करता हूँ क्योंकि तुम्हारी तो अधिक सेवा नहीं करता। (द) वह रोया कब है? किन्तु अब सोच सोचकर शायद चिन्तित है। (य) यथाशक्ति परिश्रम करना है। नहीं तो क्या खाक पढ़ाई होगी।

२—रिक्त स्थानों में क्रियाविशेषण लाओ :—

(१) जोर से—चिल्लाओ। (२) मैंने उसको—प्यार किया है,—भेंट देता है। (३) लड़का-आ रहा है और-जा रहा है।

क्रियाविशेषण कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक के उदाहरण दो।

अध्याय ३८

अव्यय के भेद

सम्बन्धवाचक तथा अन्तर्विशेषण

(१) वह राम से बदला लेगा। (२) मोहन की तरफ से छुट्टी मिली। (३) डाक्टर ने अपने हाथ से दवा लगाई? (४) बीमारी का कारण बताओ। (५) भाई के मन में रहता है।

ऊपर के बड़े अक्षरों वाले शब्द क्या हैं। बताओ।

वे किन कारकों में हैं।

नीचे के वाक्यों में इन्हीं शब्दों को फिर देखो :—

(१) — के बदले आप आ लिया। (२) इधर की तरफ

हिमालय है। (३) नौकर के द्वाय चिट्ठी भेज दी। (४) किस कारण नाराज हैं ? (५) वह भाई के संग आया।

ये शब्द संज्ञा क्यों नहीं हैं ? इसलिये कि ये नाम नहीं
क्या इन शब्दों का रूप बदल सकते हो ?
रूप न बदलने वाले शब्दों को क्या कहते हैं ? अ
'बदले' अव्यय ने जहर के विषय में क्या बतलाया ?
यही कि दवा के स्थान
'तरफ' अव्यय ने हिमालय के विषय में क्या बतलाया
यही कि उत्तर की
ये शब्द क्या हैं ? संज्ञा
यों इन अव्ययों ने शब्दों का सम्बन्ध दूसरे शब्द स्थापित किया।

ऐसे अव्यय जो संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों का सम्बन्ध व के अन्य शब्दों से बतलावें, सम्बन्धवाचक अव्यय कहलाते हैं

नीचे कुछ सम्बन्धबोधक अव्यय दिये जाते हैं, वाक्य बनाओ: —

अनुरूप, अधीन, अतिरिक्त, अनुसार, ओर, आगे, अ पास, उपरान्त, ऊपर, तले, तुल्य, द्वारा, नाईं, निकट, नि नीचे, पूर्व, पहले, पास, परोक्ष, पूर्वक, भरोसे, भर, मारे, मार रहित, लगभग, वश, सहारे, सदृश, समान, समेत, सहित।

अन्तर्निरीक्षण

१—राम बहुत धीरे चलता है। ४—राम बहुत गरीब है।
२—मोहन बड़ाऊँचा चिल्लाया। ५—लड़कियों को ग
गुलाबी रङ्ग पसन्द
३—ठीक पीछे रहो। ६—यह मेज कम चौड़ी

ऊपर के बड़े अक्षरों वाले शब्द किन शब्दों की विशे बतलाते हैं ?

अध्याय ३६

अव्यय के भेद

समुच्चयबोधक

(क)

१—कलम और दावात दोनों मेज पर हैं।

२—कौए का बैठना और फल का टूटना साथ हुए।

३—राम को चोट लगी और कृष्ण को बुखार आ गया

४—पानी बरसा लेकिन खेती न हुई।

५—बुखार है तो भी आऊँगा।

बड़े अक्षरोंवाले अव्यय किन शब्दों, वाक्यांशों और श
समूहों के बीच में हैं? ये क्या काम करते हैं?

दो शब्दों अथवा बातों को एक ही साथ प्रस्तुत करते हैं
जैसे मेज पर कलम है, और दावात भी है, 'और' शब्द
सहायता से इन दोनों चीजों का होना एक साथ बताया गया
ऐसे शब्दों को समुच्चयवाचक अव्यय कहते हैं।

(ख)

१—राम और कृष्ण आवें। ४—राम या कृष्ण आवें

२—गोपाल तथा मोहन दौड़े। ५—गोपाल अथवा मोहन दौ

३—हमने कहा है कि तुम आओ। ६—हमने कहा है परन्तु
आ

पहले वाक्य में आनेवाले कौन हैं? राम और कृष्ण दोनं
चौथे वाक्य में आनेवाला कौन है? राम या कृष्ण दो
में से एक।

पहले में 'और' क्या करता है? राम और
को जोड़कर बतलाता है।

इन अव्ययों से क्या भाव प्रकट होते हैं ?

अभिमान, घमण्ड, अहंकार।

इन्हें हम अभिमान-बोधक अव्यय कहते हैं।

[१३] छी छी ! ब्राह्मण होकर इतना नीच काम कर डाला।

(१४) धिक् रे ! विभीषण ! तूने अपने भाई का भी साथ न दिया।

[१५] राम राम ! कितना गन्दा लड़का है।

इन अव्ययों से क्या भाव प्रकट होते हैं? घृणा, तिरस्कार

इन्हें हम घृणासूचक अव्यय कहते हैं।

ऊपर के विस्मय, हर्ष, शोक, अभिमान, घृणा, आदि मानसिक भावों को प्रकट करनेवाले अव्ययों को केवल एक नाम देकर विस्मयादि-बोधक अव्यय कहते हैं।

अभ्यास

१—विस्मयादि-बोधक अव्यय की परिभाषा बताओ।

२—विस्मय, शोक और घृणा प्रकट करनेवाले अव्ययों के दो-दो उदाहरण दो और अपने वाक्यों में उनका प्रयोग करो।

३—नीचे दिये हुए अव्यय क्या भाव प्रकट करते हैं :—
हाय राम, वाह, वाह, आह, अरे रे; अपने वाक्यों में इनका ठीक प्रयोग करो।

अध्याय ४१

वाक्य में शब्दों का क्रम

भागते लेकर रात में चाँदनी पैरों चोर को देखा हमने।

ऊपर का शब्द-समूह वाक्य क्यों नहीं है ?

क्योंकि इससे अर्थ नहीं ...

१८—काल कितने हैं ? 'देखना' क्रिया के सभी प्रकार के भूतकालों उत्तमपुरुष एकवचन पुंलिंग के रूप में बताओ।

१९—'जाना' क्रिया के रूप विधि में बताओ और ऐसे पाँच वा ...ओ जिनमें भिन्न-भिन्न अर्थों में विधि का प्रयोग हुआ हो।

२०—ऐसी क्रियाएँ जिनके दो कर्म हों क्या कहलाती हैं ? उन कर्मों भेद किस प्रकार है ? वाक्य बनाकर भेद बताओ।

२१—वाच्य कितने प्रकार के हैं ? कर्तृवाच्य से अन्य वाच्य कैसे बन जाते हैं ? 'किसान खेत बोता है'—इस वाक्य का वाच्य बदलो।

२२—क्रियाविशेषण और प्रत्यविशेषण में क्या अन्तर है ? उदाहरण देकर बतलाओ।

२३—सम्बन्धवाचक अव्यय किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर बताओ।

२४—समुच्चयबोधक अव्यय कितने प्रकार का है ? अपनी पाठ्यपुस में से कुछ ऐसे वाक्य छाँटो जिनमें समुच्चयबोधक आये हों ... बतलाओ कि वे किस प्रकार के हैं ?

२५—कर्त्ता, कर्म और क्रिया के उचित स्थानों को बदलने से वाक्य अर्थ में क्या विशेषता आ जाती है ? उदाहरण देकर बताओ।

२६—निम्नलिखित वाक्यों के प्रत्येक शब्द की पद व्याख्या करो रामदीन दिन में कठिन परिश्रम करता है और रात में सुखपू सोता है। हे ईश्वर, क्या यह सदा मूर्ख रहेगा ! किसने आ राजा को समाचार दिया ! मुझसे अब नहीं पढ़ा जाता क्योंकि मे स्वास्थ्य ठीक नहीं है। आप कलकत्ते जावें तो मेरे लिए पुस्त लेते आइयेगा।